शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

# मिशन शिक्षण संवाद

## भारत की ऐतिहासिक इमारतें



काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

### संकलन

### काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 01 ताजमहल

शाहजहां एक मुगल बादशाह,
रानी थी मुमताज महल।
जिसकी याद में बनवायी,
नायाब इमारत ताजमहल।।
मुगलों के प्रिय शहर आगरा,
में स्थित है ये मकबरा।
सात अजूबों में दुनिया के,
शामिल भारत का हीरा।।

सोलह सौ तीस ईस्वी में,
था शुरु हुआ निर्माण,
लगभग बाईस साल लगे,
तब पूर्ण हुआ निर्माण।।

बीस हजार मजदूरों ने था,
मिलकर इसे बनाया।
साठ फीट ऊँचा, अस्सी फीट,
चौड़ा था इसे सजाया।।

रचना

शिखा वर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

**02**

## कुतुबमीनार

दिल्ली में स्थित कुतुबमीनार,
इतिहास इसका है शानदार।
घूमो देखो जाओ जब दिल्ली,
जहाँ है, वो है जगह महरौली।।

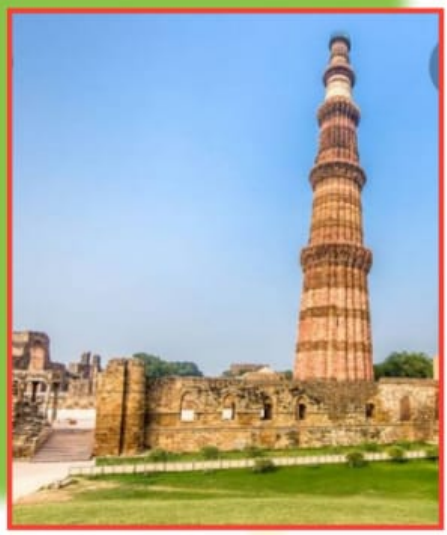

72.5 मीटर है इसकी ऊँचाई,
379 सीढ़ियाँ देती हैं दिखायी।
भारत की यह विश्व धरोहर है,
जिसकी चर्चा अब घर-घर है।।

कुतुबद्दीन ने इसे शुरु कराया,
इल्तुमिश ने इसे आगे बढ़ाया।
फिरोज ने 5 वीं मंजिल बनवायी,
लाल-पत्थर और ईंटें हैं लगवायी।।

इसका असली नाम विष्णु स्तंभ,
मीनार में बने अहाते और खंभ।
टावर के चारों ओर 27 नक्षत्र हैं,
जिसकी गूँज आज भी सर्वत्र है।।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 03

## लाल किला दिल्ली

लाल किला है पुरानी दिल्ली के,
ऐतिहासिक किलेबंद इलाके में स्थित।
यह किला है काफ़ी पुराना और,
लाल बलुआ पत्थर से निर्मित।।

इसकी दीवारों के लाल रंग के कारण,
इस किले का नाम लाल किला बना।
पाँचवे मुग़ल शासक शाहजहाँ ने,
इसे अपनी राजधानी के रूप में चुना।।

कुछ मतों के अनुसार इसे लालकोट का,
पुरातन किला और नगरी गया बताया।
जिसे शाहजहाँ ने कब्जा करके,
यह ऐतिहासिक किला बनवाया।।

लाल किले का पुनर्निर्माण 1638 में,
प्रारम्भ होकर 1648 में पूर्ण हुआ।
इस ऐतिहासिक किले को वर्ष 2007 में,
यूनेस्को ने विश्व धरोहर चयनित किया।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 04

## ~ हवा महल ~

953 खिड़कियाँ,
लगी हैं जालीदार।
हवामहल में बहती रहती,
शीतल, मन्द बयार।।

राजस्थान के जयपुर में,
बना महल है अनोखा।
चमत्कार सा लगता है,
जिसने इसको देखा।।

लालचंद उस्ता रहे,
इस भवन के वास्तुकार।
सन 1799 में यह,
बनकर हुआ तैयार।।

राजस्थानी शिल्प कला से,
पाँच मंजिला सजाया।
महाराजा सवाई प्रताप सिंह,
ने इसको बनवाया।।


रचना :-
सुहानी गौतम (छात्रा) कक्षा-8
UPS, चित्रवार, क्षेत्र- मऊ
जनपद- चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

**05**

## जंतर-मंतर

दिल्ली का जंतर-मंतर,
खगोली वेधशाला है।
महाराजा जयसिंह II ने,
इसका निर्माण कराया है।।

चाहे जयपुर हो उज्जैन,
चाहे मथुरा, वाराणसी।
वेधशाला तब बनी जब,
ग्रहों की बहस छिड़ी।।

ग्रहों की गति नापने को,
यंत्र यहाँ लगाए हैं।
मिस्र यंत्र बड़ा-छोटा दिन,
राम यंत्र गति बताए हैं।।

दिल्ली के हृदय में,
जंतर-मंतर स्थित है।
सभी यंत्र पूर्ण सही,
जयपुर में अवस्थित हैं।।

**रचना-**

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
संविलित विद्यालय शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

06

## बुलन्द दरवाजा फतेहपुर सीकरी

अकबर, अकबर सबसे महान अकबर,
उत्तर प्रदेश आगरा की शान अकबर।
गुजरात विजय जब अकबर ने पायी,
मुगलों ने मिलकर खुशियाँ मनायी।।

फतेह होकर जब बुलन्द अवाज लगायी,
सीकरी को मुगल राजधानी बनायी।
दुनिया का सबसे ऊँचा और विशाल,
बुलन्द दरवाजे का निर्माण कराया।।

लाल बलुआ सफेद संगमरमर की नक्काशी करायी,
40 मीटर ऊँचा और 42 सीढियां बनायी।
12 साल मे निर्माण पूरा कराया,
हिन्दू फारसी कला का भी मेल कराया।।

संसार का प्रवेश द्वार भी यह कहलाया,
ऐतिहासिक धरोहर का केन्द्र बनाया।
अकबर की यह विजय गाथा कहलायी,
अब जाकर बुलन्द दरवाजे की गाथा पायी।।

रचना
ऊषा सुख (शिक्षामित्र)
प्रा० वि० नहटोरा
डिलारी, मुरादाबाद

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 07 इमामबाड़ा, लखनऊ

इमामबाड़ा- इमामबाड़ा,
एक छोटा एक है बड़ा।
दोनों है लखनऊ में स्थित,
लखनऊ का इतिहास है गड़ा।।

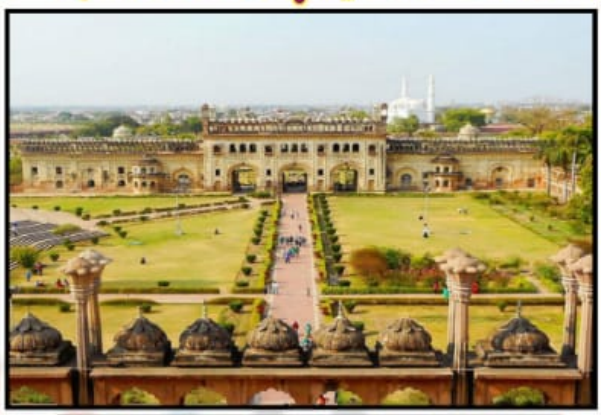

वास्तुकला की अद्भुत उपलब्धि,
कहते इसको भूल भुलैया।
1000 रास्तों का जाल है,
खो जाओगे इसमें भैया।।

एक रोचक भवन है इसमें,
न तो मस्जिद न ही मकबरा।
नवाब आसफ-उद-दौला ने बनवाया,
विशाल आंगन है हरा-भरा।।

एक बावड़ी 5 मंजिला,
जो है सीढ़ीदार कुंआ।
शाही हमाम कहते है उसको,
गोमती नदी से है जुड़ा हुआ।।

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 08

## कालिंजर दुर्ग,बाँदा

10वीं शताब्दी में निर्मित,
कालिंजर दुर्ग नाम है।
चंदेल शासक द्वारा,
किया गया निर्माण है।।

प्राचीन समय में यह,
जयशक्ति चन्देल के अधीन रहा।
महमूद गजनवी, शेरशाह सूरी,
विजय पाने में असफल रहा।।

मुगल शासक अकबर ने,
इस किले पर अधिकार किया।
बाद में छत्रसाल बुंदेलों ने,
इसको आजाद किआ।।

विंध्य पर्वत पर,बुन्देलखण्ड में,
किले की स्थापना हुई।
भारत स्वतन्त्रता पश्चात,
ऐतिहासिक धरोहर पहचान मिली।।

रचना
कल्पना कुमारी(स०अ०)
क०मॉ०प्रा०वि० हाज़ीपुर फतेह खान, धनीपुर,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

**09**

## पुराना किला- दिल्ली

नई दिल्ली का किला पुराना,
यमुना तट पर बना हुआ।
पौराणिक इतिहास समेटे,
ध्वज अजेय सा तना हुआ।।

वर्तमान की दीनपनाह को,
मुगलों ने गुलजार किया।
शेरशाह ने छीन उसे फिर,
किला एक तैयार किया।।

यही पुराना इंद्रप्रस्थ था,
धर्मग्रंथ बतलाते हैं।
गौरवमय तेजस्वी भारत,
की पहचान कराते हैं।।

उत्तर-पश्चिम-दक्षिण जिसके,
तीन मुख्य दरवाजे हैं।
बीच शेरमंडल दो मंजिल,
अष्टकोण गृह साजे हैं।।

रचना- तेजवीर सिंह (स०अ०)
पूर्व मा० विद्यालय करहला
छाता, मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 10 आगरा का किला

भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में,
आगरा एक प्रसिद्ध शहर है।
आगरा का किला यूनेस्को द्वारा,
घोषित एतिहासिक धरोहर है।।

सिकरवार वंश के राजपूतों से,
महमूद गजनवी, सिकंदर लोदी ने लिया।
बाबर ने यहाँ रहकर शासक बनकर,
हुमायूँ का यहीं राजतिलक किया।।

अंगूर-बाग, दीवान-ए-आम में,
मयूर सिंहासन स्थापित था।
जहाँगीर-महल व मछली-भवन,
उत्सवों के लिए सुसज्जित था।।

इतिहास संजोए हुए किला है,
कहानी कोहिनूर हीरे की यहीं से शुरु हूई।
मुख्य चार द्वार हैं, यमुना किनारे है,
औरंगजेब द्वारा शाहजहां को यहीं जेल हुई।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पू० मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 11

## रानी महल झाँसी

राजा बीरसिंह जुदेव बुंदेल,
ने यह किला बनवाया था।
झाँसी जिले के बंगरा पहाड़ी,
पर किले का निर्माण कराया था।।

24 वर्षों तक इस किले में,
बुंदेलों ने राज्य किया था।
फिर क्रमशः मुगलों, मराठों,
अंग्रेजों ने अधिकार किया था।।

किले के सबसे ऊँचे स्थान पर,
आज शान से तिरंगा लहरा रहा है।
किले के अन्दर से झाँसी शहर का,
भव्य नजारा दिखा रहा है।।

किले में साउंड एंड लाइट शो,
का आयोजन कराया जाता है।
यह शो "रानी लक्ष्मी बाई" के,
जीवन काल को दर्शाता है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

12

## अढाई दिन का झोपड़ा

अढाई दिन का झोंपड़ा,
एक ऐतिहासिक इमारत।
जो भारत के राजस्थान में,
अजमेर शहर में स्थित।।

शाहबुद्दीन मुहम्मद ग़ोरी ने,
इसे मस्जिद का रूप दिया।
1198 में अबू बकर ने,
इसका नक्शा तैयार किया।।

इस मस्जिद को बनवाने में,
सिर्फ़ लगे अढ़ाई दिन।
कुछ ही दूरी पर दरगाह है,
ख़्वाजा मोइनुद्दीन।।

खंडहरनुमा इमारत में,
सात मेहराबें हैं बिखरी।
नक्काशी युक्त 70 खम्बे,
छत पर शानदार कारीगरी।।

मस्जिद के अन्दर का हिस्सा,
मन्दिर की तरह से लगता है।
हिन्दू-मुस्लिम स्थापत्य की,
अद्भुत गाथा कहता है।।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र० अ०)
यूपीएस, चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 13

## हुमायूँ का मकबरा

जो मुगलिया सल्तनत की यादों से भरा है।
वह दिल्ली में यमुना किनारे स्थित हुमायूँ का मकबरा है।।
जिसकी मुगल स्थापत्य कला करती है सबको दंग।
मिर्जा गियास और उनके पुत्र मीराक ने भरा इसी में रंग।।

चारों तरफ पेड़ों, बागों की क्यारियां फैली है।
इसकी बनावट की प्राचीन कला चारबाग शैली है।।
16 मीटर ऊँचे बने हैं दो मंजिला प्रवेश द्वार।
ऊपरी पृष्ठ पर बना है दोहरा गुंबदाकार ।।

इसकी ऊँचाई है 47 और चौड़ाई 91 मीटर।
जिसके संगमरमर से बने चौखट छज्जा विभिन्न प्रकार।।
अंदर इसमें बने है भिन्न-भिन्न छोटे स्मारक।
जिन्हें बनाने में लगा बलुआ पत्थर लाल।।

जिसमें दफन है हमीदा बानो और हुमायूँ महान।
इसी में अन्दर बना सैकड़ों कब्रों का कब्रिस्तान।।
भारत सरकार भी करती है इस को पोषित।
जिसे यूनेस्को ने 1993 में किया विश्व धरोहर घोषित।

रचना- जय प्रकाश (स०अ०)
प्रा०वि० जनमासी
सासनी हाथरस

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 14

## अजन्ता की गुफाएँ

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के अजन्ता गाँव में।
अदभुत चित्रकारी मिलती है अजन्ता की गुफाओं में॥
शांति, अध्यात्म, दैवीय ऊर्जा से ओतप्रोत।
उत्कृष्ट ज्ञान दर्शातीं ये मानवीय इतिहास में॥

यूनेस्को ने 1983 में विश्व धरोहर स्थल किया घोषित।
अजन्ता की गुफाएँ भगवान बुद्ध को समर्पित॥
वाधुर नदी बहती घाटी की तलहटी में।
हर साल लाखों पर्यटक होते इनसे आकर्षित॥

औरंगाबाद से लगभग 106 किमी० की दूरी पर।
अजन्ता की गुफाएँ बनी तीस चट्टानों को काटकर॥
गुफाओं का निर्माण हुआ था दो चरणों में।
भगवान बुद्ध के जीवन का चित्रण है दीवारों पर॥

इन गुफाओं की खोज हुई थी 1819 ई० में।
खुदाई शुरू हुई दूसरी से छठी शताब्दी में॥
सैन्य अधिकारी जाँन स्मिथ थे खोजकर्ता।
बहुत ही आकर्षित दिखतीं ये सुन्दरता में॥

रचना- मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 15

## •• एलोरा की गुफाएँ ••

बौद्ध, हिन्दू और जैन धर्म को,
समर्पित पवित्र स्थान।
तीनों धर्मों को एलोरा गुफाएँ,
देती हैं सम्मान।।

यूनेस्को की विश्व विरासत में,
शामिल हैं ये गुफाएँ।
महाराष्ट्र में औरंगाबाद के निकट,
फैली अद्भुत रचनाएँ।।

5 वीं से 10 वीं शताब्दी में,
34 मठ, मन्दिर बनें।
दुर्गम पहाड़ी को काट-काट कर,
स्थापत्य कला की मिशाल बनें।।

12 गुफाएँ बौद्ध धर्म की,
17 हिन्दू गुफाएँ।
05 गुफाएँ जैन धर्म की,
चलो देख कर आएं।।


रचना -

संजना मिश्रा कक्षा-8
पू० मा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ (चित्रकूट)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 16

## कोणार्क मंदिर

भारत का मुख्य सूर्य मंदिर,
है कोणार्क का सूर्य मंदिर।
जगन्नाथ पुरी से 35 किलोमीटर दूर,
उत्तर पूर्व उड़ीसा में स्थित है मंदिर।।

नरसिम्हा देव प्रथम ने इसे बनवाया,
कलिंग वास्तुकला में कार्य कराया।
13वीं शताब्दी में हुआ निर्माण कार्य,
बलुआ पत्थरों पर नक्काशी कार्य।।

मंदिर है सूर्य देव के 7 घोड़ों का रथ,
आधार में 12 जोड़ी पहियों सजा रथ।
तीन मंडपों में बना है मुख्य मंदिर,
उड़ीसा सरकार ने बनाया राजचिन्ह।।

1984 में यूनेस्को ने माना,
सूर्य मंदिर को विश्व धरोहर।
विश्व प्रसिद्ध हुआ भारत का,
सुंदर कोणार्क सूर्य मंदिर।।

रचना-
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

17

## साँची के बौद्ध स्तूप

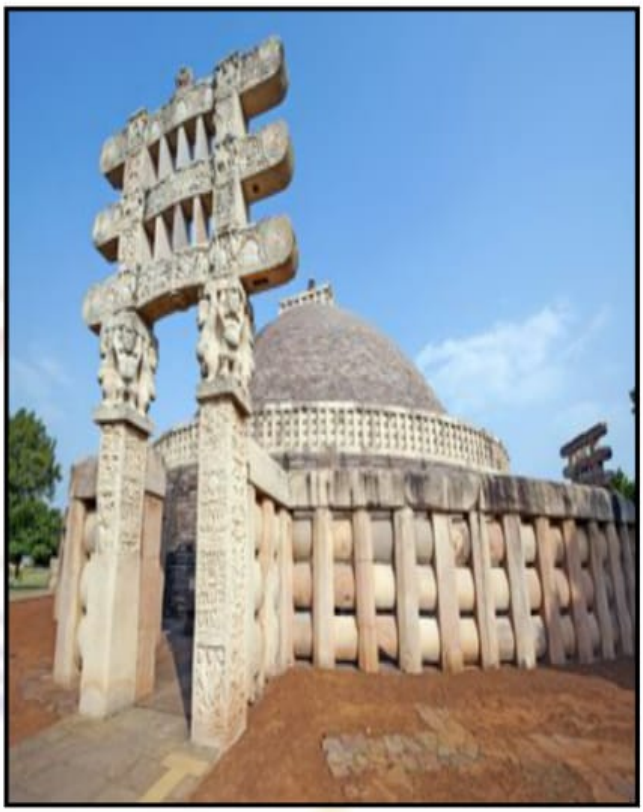

साँची का स्तूप है मध्य प्रदेश में,
प्रसिद्ध है जो पूरे भारत देश में।
साँची की देखो डगर,
इसी के पास है बेसनगर।।
मौर्य सम्राट अशोक ने,
इस सुन्दर स्तूप को था बनवाया।
सबसे पहला स्तूप था जब,
अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया।।
अवशेष इसमें देखो,
रखे हैं महात्मा बुद्ध के।
महान थे साधु वो,
तन-मन उनके शुद्ध थे।।
भारत की सबसे पुरानी,
शैल संरचना में इसको पाया।
साँची का स्तूप बुद्ध के,
महापरिनिर्वाण को दिखाया।।

रचना
आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय सिकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 18

## छत्रपति शिवाजी टर्मिनल

छत्रपति शिवाजी टर्मिनल,
है मुंबई में बना अटल।
हटा पुराना नाम "विक्टोरिया",
"शिवाजी" का नाम दे दिया।
"वी०टी०" नाम से अब भी प्रचलित,
सन् 1887 में हुआ था निर्मित।
नक्शाकार थे एक्सेल हर्मन,
विलियम स्टीवंस ने किया डिजाइन।
गुंबद पर बनी महिला विशाल है,
हाथों में पहिया और मशाल है।
प्रगति और ऊंचाई की सूचक,
कारीगरी बहुत मनभावक।
मुंबई का ये स्टेशन है,
गोथिक शैली में बना भवन है।
नक्काशी है बेहद सुन्दर,
बना तभी ये विश्व धरोहर।

रचना - पीयूष त्रिवेदी (स०अ०)
संविलयित विद्यालय भैनामऊ
सुरसा, हरदोई।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

19

## एलिफेंटा की गुफाएँ

दर्शनीय है एलीफेंटा, आओ तुम्हें दिखाएँ,
एक जगह पर बनी हुई हैं, सुन्दर सात गुफाएँ।
धारापुरी के नाम से चर्चित, हैं ये अद्भुत रचनाएँ,
पर्यटकों को आकर्षित करती, एलीफेंटा की गुफाएँ।।

मुम्बई महानगर के पास, इनकी स्थिति जानो,
दस कि० मी० दूर गेट वे ऑफ इण्डिया से मानो।
भव्य छवि है महेश की, मूर्ति तीन शीर्ष वाली,
सबका है रूप अलग, मन को लगे निराली।।

राष्ट्रकूट राजाओं ने, शिवमंदिर को खोजा था,
तीन ओर से खुले सिरे, गुफा का एक दरवाजा था।
हैं विशाल मूर्तियाँ द्वारपाल की द्वार में,
दर्जा दिया युनेस्को ने, विश्व विरासत का 1987 में।।

अर्धनारीश्वर के रुप को, गुफाएँ ये दर्शाती,
शिवजी की नटराज छवि के, अनुपम रूप दिखाती।
गुप्तकालीन कला की, विशेषता ये बतलाती,
चट्टानों को काटकर, निर्मित कला दिखाती।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
संविलियन विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान | मिशन शिक्षण संवाद | शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

20

## चोल कालीन मंदिर

तंजावुर का वृहदेश्वर मंदिर,
गंगईकोड का शिव मंदिर।
दारसुरम का एकेश्वर मंदिर,
त्रिभुवनम में कपहेश्वर मंदिर।।

चोल कालीन मूर्तियाँ करती,
आज भी सबके मन पर राज।
कांस्य प्रतिमा बहुत प्रसिद्ध,
नृत्य करते इसमें नटराज।।

हर जगह साफ-सुथरी,
तनिक भी नहीं मैली।
चोल शासकों ने देखो,
अपनायी द्रविड़ शैली।।
बालसुब्रमण्यम मंदिर,
कन्नूर में बहुत प्रसिद्ध है।
दिव्य नागेश्वर मंदिर,
कुंभकोणम में सिद्ध है।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 21

## हम्पी के स्मारक

विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी,
तुंगभद्र नदी के तट पर स्थित शहर हम्पी।
खंडहर अवशेष बचे अब उन प्राचीन इमारतों के,
बसी जहाँ एक सभ्यता बीच टीलों और घाटियों के।।

ढेरों मंदिर, तहखाने,जल खंडहर और बाजार,
खंडहरों में स्मृतिशेष है शाही मंडप और दरबार।
यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल कर्नाटक राज्य में,
बोली कन्नड़, जिला बेल्लारी अपने भारत देश में।।

विश्व प्रसिद्ध विठ्ठल मंदिर, अदभुद स्नानागार,
झरोखे वाले सुंदर छज्जे, गुम्बद मेहराबदार।
कमलमहल की शान अनोखी, फूलों सा आकार,
प्रवेश द्वार पर हज़ारा मंदिर देता अचरज अपार।।

राजा कृष्णदेव राय ने बनवाये ढेरों अदभुद भवन,
रामायण और महाभारत के विषय थे उनमें प्रथम।
कृष्ण मंदिर, चंद्रशेखर मंदिर है हम्पी की जान,
सोने-चांदी के सिक्कों से समृद्ध था वो युग महान।।

**रचना-** डॉ० नीतू शुक्ला(प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण- उन्नाव

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

22

## महाबलीपुरम के स्मारक

भारत देश के हर कोने में देखो अजब नजारा है,
पर उनमें सबसे अद्भुद दक्षिण-भारत प्यारा है।
आओ! आज तुम्हें ले चलते महाबली की नगरी को,
भक्तराज प्रह्लाद के पोते बलि ने बसाया जिस नगरी को।।

शिल्पकला की अद्भुद नगरी बरबस ध्यान खींचती है,
विश्व प्रसिद्ध स्मारक हैं जिनसे नजरें कभी न हटती हैं।
रथगुफा और तट मंदिर सबसे सुंदर स्मारक ये,
इनमें है अद्भुद नक्काशी महाबली की शान हैं ये।।

सागर तटों और मंदिरों का शहर ये कहलाता है,
मामल्लपुरम के नाम से भी इसको जाना जाता है।
गंगा अवतरण का स्मारक और टाइगर की है गुफाएँ,
कृष्ण की मक्खन गेंद यहाँ पर सबके मन को लुभाएँ।।

राजा बलि का आज भी सब जन यहाँ पर पूजन करते हैं,
पहरेदारी विष्णु जी हर पल इस शहर की करते हैं।
धन्य-धन्य है लोग वहाँ के जो नित दर्शन पाते हैं,
ऐसी पावन भूमि का हम सब आज अभिनंदन करते हैं।।

रचना-
रश्मि शुक्ला ( स०अ०)
बेथर कम्पोजिट विद्यालय
सिकंदरपुर कर्ण- उन्नाव

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

23

## पट्टाडकल की ऐतिहासिक इमारतें

पट्टाडकल स्मारक हैं बहुत सुंदर,
मंदिर इनके अद्भुत,अति सुंदर।
चालुक्य वंश में इनको बनवाया,
अनेकों शिल्प कलाओं का रंग समाया।।

कहते भी थे इसको सब रक्तपुरा,
कर्नाटक राज्य की ऐतिहासिक धरा।
एक परिसर में दस थे मंदिर,
शिल्प कला से बने अति सुंदर।।

हिन्दू और जैन धर्म के मंदिर,
भव्य अनोखे शैली अति सुंदर।
चार मंदिर हैं द्रविड़ शैली के,
चार मंदिर हैं नागर शैली के।।

पापनाथ मंदिर मिश्रित शैली का,
विरुपाक्ष मंदिर अति सुंदर कांची सा।
राष्ट्रकूट हों या विजयादित्य हों,
विक्रमादित्य द्वितीय जैसा बलशाली सा।।

सबने किया इन मंदिरों का यशगान,
भारत देश का बढ़ाया यश व सम्मान।
ऐसे अनोखे स्मारक हैं ये सब मंदिर,
भव्य,अनोखे,दुर्लभ व अति सुंदर।।

रचना- रजत कमल वार्ष्णेय
(स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

**24**

## खजुराहो के मंदिर

आओ कथा सुनाएँ तुमको खजुराहो स्थान की,
ऐतिहासिक मंदिरों से सजे नगर पुराण की।
प्राचीन नाम खजूरपुरा, बसा मध्य प्रदेश प्रांत की,
मुड़े पत्थरों से बने एकमात्र स्मारक वान की।।

चंदेल राजा चंद्र वर्मन के बने गौरव अभिमान की,
मध्यकालीन कला संस्कृति व स्थापत्य सम्मान की।
950 ई० में बने 85 मंदिरों के संग्रह स्थान की,
आओ कथा सुनाएँ तुमको खजुराहो स्थान की।।

जीवन संस्कृति को शिल्पी ने कला में पिरोया था,
1986 में यूनेस्को ने भी विश्व धरोहर में संजोया था।
पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी भागों में बांट दिखाया था,
नक्काशीदार जैन, शिव, विष्णु मंदिरों ने गौरव पाया था।।

पंचायतन शैली से बने विश्वनाथ मंदिर का वर्णन पाया था,
नंदी, पार्वती, कंदरिया मंदिर ने 107 फुट ऊँचा स्थान उठाया था।
जैन संग्रहालय व चतुर्भुज मंदिर से सजे रमणीक स्थान की,
आओ कथा सुनाएँ तुमको खजुराहो पावन धाम की।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

25

## भीमबेटका

एक पुरापाषाणिक पुरास्थल,
मध्यप्रदेश में रायसेन जिले का।
शैल चित्रों के लिए प्रसिद्ध,
नाम उस धरोहर का भीमबेटका।।

45 किलोमीटर दूर है स्थित,
मध्य प्रदेश की राजधानी से।
मानते हैं, यह स्थान है संबंधित,
पांडव-भीम की कहानी से।।

प्राचीन किले की दीवारें है ,
प्राचीन समय शुंग-गुप्त की।
पाषाण निर्मित भवन भी हैं,
और निशानियाँ लघु स्तूप की।।

भीमबेटका की गुफाएँ,
जगत में जानी जाती हैं।
यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के,
रूप में मानी जाती हैं।।

रचना- श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि०धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

26

## आमेर का किला

आओ सुनाऊँ आमेर किले की एक कहानी,
राजस्थान राज्य, जयपुर में है एक पहाड़ी।
प्रधान पर्यटक स्थल वो है बना,
स्थानीय मीणाओं द्वारा है बसाया गया।।

कछवाहा राजपूत मान सिंह प्रथम ने बनाया इसे,
भारतीय संस्कृति का प्रतीक कहते हैं जिसे।
विशुद्ध हिन्दू वास्तु शैली है जहाँ,
विशाल प्राचीरों, श्रृंखलाओं से है सजा।।

पत्थर के बने रास्तों से भरा ये दुर्ग पहाड़ी,
नीचे बना मावठा सरोवर अति मनोहारी।
लाल बलुआ पत्थर, संगमरमर आकर्षक,
विशाल प्रांगण, दीवाने आम और खास आकर्षक।।

शीश महल, जय मन्दिर, सुख निवास से सज्जित,
कृतिम जलधारा, शीतल वातावरण है विशिष्ट।
अरावली पर्वतमाला की है शोभा निराली,
आम्बेर दुर्ग की सुनाती हर पल कहानी।।

रचना-
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

## 27

## गागरोन का किला

झालावाड़ जिले में स्थित,
राजस्थान राज्य में मिला।
काली सिंधु, आहु नदी का संगम,
बना जहाँ गागरोन किला।।

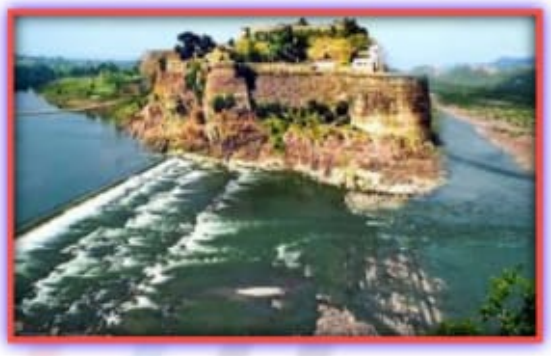

बिना नींव के बना हुआ है,
चट्टानों पर सधा किला।
एक द्वार नदी में खुलता,
एक जंगल में जा मिला।।

बीजल देव ने 12वीं सदी में,
बनवाया था एक किला।
खींची राजाओं को उसमें,
300 साल तक राज मिला।।

ख्वाजा की दरगाह बनी है,
जहाँ लगे मोहर्रम में मेला।
पीपा देव का मठ बना वहाँ,
और सौ सालों का पंचांग मिला।।

रचना- आराधना सिंह (प्र.अ.)
E.M.C.S.लोढ़वारा
चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

28

## **चित्तौड़गढ़ का किला**

भारत का इतिहास बताता,
भारत का गौरव कहलाता।
"किलों" का सिरमौर कहलाता,
वह चित्तौड़गढ़ का किला कहलाता।।

यह किला है वीर सपूतों का,
त्याग, स्वाभिमान बलिदानों का।
खूनी युद्ध के मंजर का,
सिसोदिया वंश के शासन का।।

महाराणा प्रताप के शौर्य की,
रानी पद्मावती के जौहर की।
साहस, त्याग की कहानी सुना रहा,
वह चित्तौड़गढ़ का किला अटल रहा।

खूनी युद्धों का मंजर बता रहा,
बलिदान की सैकड़ों कहानियाँ सुना रहा।
वर्तमान को जिस पर नाज रहा,
वह चित्तौड़गढ़ का किला रहा।।

रचना- सुनीता यादव (स०अ०)
कंपोज़िट विद्यालय भिठिया चिचड़ी
गिलौला, श्रावस्ती

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

**29**

**तर्ज - तुझे सूरज कहूँ या चन्दा**

## कुम्भलगढ़ किला

महाराणा कुम्भा ने, इक भव्य किला बनवाया।
कुम्भलगढ़ दुर्ग कहें सब, अदभुत है इसकी माया॥

तेरह मई चौदह सौ, उनसठ में दुर्ग बना ये।
राजस्थान के जनपद, राजसमंद में है ये॥
यूनेस्को की सूची में, है नाम दर्ज करवाया।
कुम्भलगढ़ दुर्ग कहें सब, अदभुत है इसकी माया॥

छत्तीस किलोमीटर लम्बी है, इस दुर्ग की सब प्रचीरे।
चार अश्व दौड़े संग, इतनी चौड़ी दीवारें॥
है चीन के बाद विश्व में, इसका ही नाम है छाया।
कुम्भलगढ़ दुर्ग कहें सब, अदभुत है इसकी माया॥

इक नाम और इस गढ़ का, सब अजयकोट भी कहते।
दुष्कर इस पर जय पाना, दुश्मन सब इससे डरते॥
मेवाड़ की आँख कहें सब, अदभुत इसकी सरमाया॥
कुम्भलगढ़ दुर्ग कहें सब, अदभुत है इसकी माया॥


**ज्ञानेश कुमार द्विवेदी (स०अ०)**
**प्रा०वि० अहिरारा**
**सिराथू , कौशाम्बी**

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# भारत की ऐतिहासिक इमारतें

30

तर्ज़ -आओ बच्चों तुम्हे दिखाएँ झांकी...

## "रणथंभौर दुर्ग"

शूरवीरों की आन बान है,
भारत देश की शान है।
राजस्थान का प्राचीन दुर्ग है,
रणथंभौर नाम है।।
रणथंभौर दुर्ग...रणथंभौर दुर्ग...

ऊँचे शिखर पर बना किला है,
रण की घाटी में है स्थित।
दिल्ली से है इसकी निकटता,
मेवाड़ के मध्य है अवस्थित।।
रणथंभौर दुर्ग...रणथंभौर दुर्ग...

इस किले को मिला है गौरव,
हम्मीर चौहान के पराक्रम से।
रणथंभौर की रक्षा की थी,
त्याग और बलिदान से।।
रणथंभौर दुर्ग...रणथंभौर दुर्ग...

यहाँ की घाटी बड़ी सुनहरी,
प्रसिद्ध दर्शनीय स्थान है।
मंदिर ,महल और किले जहाँ है,
रणथंभौर नाम है।।
रणथंभौर दुर्ग...रणथंभौर दुर्ग....

श्रेया द्विवेदी(स०अ०)
प्रा० वि० देवीगंज प्रथम
कड़ा,जनपद कौशाम्बी

# मिशन शिक्षण संवाद

## भारत की ऐतिहासिक इमारतें

### रचनाकारों की सूची

01- शिखा वर्मा, सीतापुर
02- भुवन प्रकाश, सीतापुर
03- जितेन्द्र कुमार, बागपत
04- सुहानी गौतम, चित्रकूट
05- आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
06- ऊषा सुख, मुरादाबाद
07- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
08- कल्पना कुमारी, अलीगढ़
09- तेजवीर सिंह "तेज", मथुरा
10- नैमिष शर्मा, मथुरा
11- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
12- आर० के० शर्मा, चित्रकूट
13- जय प्रकाश, हाथरस
14- मन्जू शर्मा हाथरस
15- संजना मिश्रा, चित्रकूट
16- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
17- आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
18- पीयूष त्रिवेदी, हरदोई
19- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
20- सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर
21- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
22- रश्मि शुक्ला, उन्नाव
23- रजत कमल वाष्णेय, बदायूँ
24- दीपिका जैन, बदायूँ
25- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
26- रुखसाना बानो, मिर्जापुर
27- आराधना सिंह, चित्रकूट
28- सुनीता यादव, श्रावस्ती
29- ज्ञानेश कुमार द्विवेदी, कौशाम्बी
30- श्रेया द्विवेदी कौशाम्बी


***तकनीकी सहयोग***
1 नाज़िया परवीन, मुरादाबाद
2 नमिता राजपूत, मुरादाबाद

मार्गदर्शनः- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलनः- मिशन शिक्षण संवाद